आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में स्वर्णप्राशन संस्कार एवं आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं सीएसआईआर मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में **आयुर्वेद दिवस** के उपलक्ष्य में सीएसआईआर-सीरी आरोग्य निकेतन (सीरी डिस्पेंसरी), पिलानी में दिनांक 5 अक्टूबर 2026 को निःशुल्क **स्वर्णप्राशन संस्कार एवं आयुर्वेद चिकित्सा शिविर** का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बच्चों एवं संस्थान के कार्मिकों को आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य संरक्षण एवं चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। शिविर में सीरी कार्मिकों एवं पेन्शनरों के बच्चों ने स्वर्णप्राशन संस्कार और चिकित्सा परामर्श का लाभ लिया।



आयुर्वेद शिविर का शुभारंभ करते हुए डॉ सुचंदन पाल, वैज्ञानिक जी



शिविर के उद्घाटन के उपरांत अधिकारीगण

शिविर का उद्घाटन एवं शुभारंभ **डॉ. सुचंदन पाल, वैज्ञानिक-जी** द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर श्री प्रमोद तंवर, प्रमुख, पीएमई; श्री मधुरंजन पांडेय, प्रशासन नियंत्रक; डॉ. दिनेश गुप्ता, आरएमओ सहित संस्थान के अनेक वैज्ञानिक, अधिकारी एवं सहकर्मी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सक **डॉ. रमेश पी. जाजू** ने स्वर्णप्राशन संस्कार के महत्व एवं इसकी आयुर्वेदिक अवधारणा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि काश्यप संहिता में वर्णित 16 विशेष संस्कारों में स्वर्णप्राशन संस्कार का विशेष महत्व है। आयुर्वेद में इसे बाल स्वास्थ्य से संबंधित एक महत्वपूर्ण संस्कार के रूप में वर्णित किया गया है। उन्होंने बताया कि स्वर्णप्राशन संस्कार को बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने तथा उनके शारीरिक, वाचिक एवं मानसिक विकास में सहायक माना गया है। साथ ही, इसे पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में भी उपयोगी माना जाता है। डॉ. जाजू ने उपस्थित अभिभावकों को स्वर्णप्राशन संस्कार की प्रक्रिया, इसके महत्व तथा आयुर्वेद में वर्णित बाल स्वास्थ्य संबंधी अवधारणाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति अभिभावकों को सजग रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर भी बल दिया।


शिविर में बच्चों का स्वर्णप्राशन संस्कार करते हुए
आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. रमेश पी. जाजू

शिविर के दौरान बालक-बालिकाओं को स्वर्णप्राशन संस्कार प्रदान किया गया तथा अन्य लाभार्थियों को आयुर्वेद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

उद्घाटन के उपरांत **डॉ. सुचंदन पाल** ने आयुर्वेद की समृद्ध एवं प्राचीन परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुर्वेद भारतीय ज्ञान-परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है, जिसमें स्वस्थ जीवनशैली, रोगों की रोकथाम तथा स्वास्थ्य संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने आयुर्वेद

की उपयोगिता एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि आरोग्य के लिए आयुर्वेद सहित ऐलोपैथी एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियों का चिकित्कीय सलाह से उपयोग करना लाभदायक रहता है। उन्होंने संस्थान में इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की सराहना की।

आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित यह कार्यक्रम स्वस्थ जीवनशैली तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सीएसआईआर-सीरी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीएसआईआर-सीरी आरोग्य निकेतन तथा संबंधित कार्मिकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। शिविर में अभिभावकों एवं संस्थान के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के कुछ अन्य चित्र










